भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 15

उत्तर देने की तारीख: 17.07.2017

26 आषाढ़, 1939 (शक)

नवोदय विद्यालयों का उन्नयन

***15. श्री राम चरण बोहराः**

क्या **मानव संसाधन विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का नवोदय विद्यालयों का स्नातक स्तर तक उन्नयन करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय और अन्य स्वायत्त निकायों के अकादमिक निष्पादन तथा गत तीन वर्षों के दौरान छात्रों की नियोज्यता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

"नवोदय विद्यालयों का उन्नयन'' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री राम चरण बोहरा द्वारा दिनांक 17.07.2017 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 15 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों के लिए कक्षा VI से XII कक्षा तक गुणवत्तापरक आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित किए जाते हैं। स्कूल क्षेत्र में ये सर्वश्रेष्ठ संस्थान हैं।

(घ) : पिछले तीन वर्षों के दौरान जवाहर नवोदय विद्यालयों (जनवि), केन्द्रीय विद्यालयों (केवि) और केन्द्रीय तिब्बती स्कूल प्रशासन (सीटीएसए) विद्यालयों और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध अन्य विद्यालयों का शैक्षिक प्रदर्शन (उत्तीर्ण प्रतिशत) निम्नानुसार है:

शैक्षिक प्रदर्शन - कक्षा X

वर्ष	जनवि	केवि	सीटीएसए विद्यालय	सीबीएसई से संबद्ध अन्य विद्यालय		
				सरकारी विद्यालय	सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय	स्वतंत्र विद्यालय
2014-15	99.76	99.33	96.74	91.84	90.41	98.60
2015-16	98.87	98.85	87.34	86.61	85.62	97.72
2016-17	99.68	99.66	95.00	70.45	89.10	97.43

शैक्षिक प्रदर्शन - कक्षा XII

वर्ष	जनवि	केवि	सीटीएसए विद्यालय	सीबीएसई से संबद्ध अन्य विद्यालय		
				सरकारी विद्यालय	सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय	स्वतंत्र विद्यालय
2014-15	96.82	94.72	91.31	86.11	84.42	81.08
2015-16	96.69	95.43	87.73	83.85	85.75	82.40
2016-17	95.73	94.60	83.57	82.29	81.63	79.27

चूंकि ये स्कूल केवल कक्षा XII तक ही हैं, इसलिए विद्यार्थियों की नियोज्यता अनुपात से संबंधित आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

*****